Regarding problems of labourers and farmers in Deoria district in Uttar Pradesh.

श्री रमाशंकर राजभर **(सलेमपुर) :** सभापति महोदया, हमारे संसदीय क्षेत्र के जनपद देवरिया व बलिया में मजदूर, किसान और चीनी मिल के मजदूर आंदोलन पर हैं । जनपद देवरिया से सिकंदरपुर तक एन.एच- 727 ए और 727 बी मार्ग पर भेगारी-नवलपुर-रामजानकी मार्ग बनना प्रस्तावित है ।

महोदया, उसमें किसानों को यूनिट नहीं माना जा रहा है । काश्तकार को यूनिट मानकर मुआवजा दिया जा रहा है । परिणामत: किसानों के मुआवजे से 2/3 की कटौती हो रही है । पूरा किसान संगठन आंदोलन पर है । इसी तरह से कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कानपुर शुगर वर्क्स चीनी मिल, गौरी बाजार लगाई गई । मिल बिक गई, लेकिन अभी भी मजदूरों का 14 करोड़ 73 लाख रुपये से अधिक का बकाया है । काफी दिनों से मजदूर आंदोलन पर हैं, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है । चीनी का कटोरा कहे जाने वाले जनपद देवरिया में लाला करमचंद थापर ने सीताराम शुगर मिल बैतालपुर में लगाई थी, जो बंद पड़ी है । किसान आंदोलन पर हैं । नई तकनीक से मिल चलाने का एग्रीमेंट हुआ था । सरकार की ओर से बार-बार कहा जाता है कि यह मिल चल जाएगी, लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ ।

महोदया, जब हमारे संसदीय क्षेत्र के मजदूर और किसान आंदोलन पर रहेंगे तो हम लोग राजनीति कैसे करेंगे? जो घर गिर रहे हैं और जो पेड़ पड़े हुए हैं, उनका मुआवजा नहीं लगाया गया । अगर लगाया भी तो 101 एकड़ से अधिक प्लांट बांधकर लगा दिया और किसानों के मुआवजे से 2/3 की कटौती हो गई । इसलिए, मैं मांग करता हूं कि सरकार इस विषय पर तुरंत संज्ञान ले । मैंने अपने संसदीय क्षेत्र के आंदोलन के जो मामले उठाए हैं, उन पर तुरंत प्रभावी कार्रवाई की जाए । आपने मुझे बोलने का समय दिया, उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।